सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 166 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 22 जुलाई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मैं हमेशा इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि मैं कुछ चीजें नहीं बदल सकता।

-अब्दुल कलाम

द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में क्रॉस वोटिंग... 7 | रोज बढ़ती जा रही सुभासपा की... 3 | बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का कराया... 2

अब नंदी का लेटर बम हुआ वायरल तो मचा हड़कंप क्या खेल चल रहा है यूपी में

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में नियुक्ति घोटाला, बिना पद बना दिया प्रधान महाप्रबंधक

» नियम-कायदों को ताक पर रख कर राजीव त्यागी को दिया गया प्रमोशन

चेतन गुप्ता

लखनऊ। स्वास्थ्य और पीडब्ल्यूडी विभाग के बाद अब नोएडा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों की तैनाती में बड़ा खेल सामने आया है। अधिकारियों की मनमानी का आलम यह है कि बिना पद के ही राजीव त्यागी को प्रधान महाप्रबंधक बना दिया गया। औद्यौगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने इस तैनाती में हुई अनियमितता पर सवाल उठाया है और अपर मुख्य सचिव से मामले पर रिपोर्ट तलब की है। नंदी के इस पत्र के वायरल होते ही हड़कंप मच गया है।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के अपर मुख्य सचिव को लिखे वायरल पत्र में कहा गया है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विभिन्न विभागों में अधिकारियों को पहले प्रतिनियुक्ति पर रखने और बाद में उनका विभाग में मर्जर करने और पदोन्नति के नाम पर गंभीर अनियमितता बरती गई है। मंत्री ने अपर मुख्य सचिव से रिपोर्ट के साथ इससे संबंधित पत्रावली भी तलब की है। पत्र में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के सहायक अभियंता (एई) राजीव त्यागी को दो गई प्रतिनियुक्ति पर सवाल उठाया गया है। पत्र में कहा गया है कि राजीव त्यागी को जीडीए में मृतक आश्रित कोटे से अनुकंपा के आधार पर

अपर मुख्य सचिव से रिपोर्ट तलब

मंत्री ने अपर मुख्य सचिव से यह भी पूछा है कि त्यागी की सेवा को मर्जर करने से लेकर पदोन्नति देने तक की सारी कार्रवाई किन नियमों और शासनादेश के तहत किए गए हैं। वहीं औद्योगिक विकास विभाग का कोई अधिकारी फिलहाल इस मामले में कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

नियुक्ति दी गई थी। वहीं 2008 में नियम-कायदों को ताक पर रखकर औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों ने त्यागी को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती देते हुए दो रैंक ऊपर सीनियर मैनेजर के पद पर नियुक्ति दी गई। इसके बाद बिना न्यूनतम कार्यकाल पूरा हुए

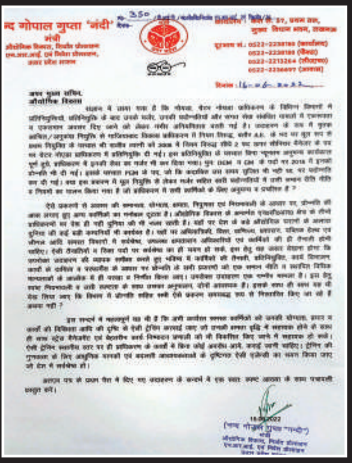

नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी'
मंत्री

प्राधिकरण में इनकी सेवा का मर्जर भी कर दिया गया। वर्ष 2016 में त्यागी को पहले उप महाप्रबंधक (डीजीएम) फिर महाप्रबंधक (जीएम) के पद पर पदोन्नति दी गई। यही नहीं कुछ दिन बाद ही त्यागी को प्रधान महाप्रबंधक (पीजीएम) के पद पर प्रोन्नति दी गई जबकि उस समय प्राधिकरण में यह पद सृजित भी नहीं था। इस संदर्भ जब कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी से बात करने की कोशिश की गई तो उनके स्टाफ अफसर शैलेंद्र सिंह ने फोन रिसीव किया और मंत्री के किसी कार्यक्रम में व्यस्त होने की बात कही।

पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग में तबादलों ने करायी थी सरकार की किरकिरी

पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग में तबादलों को लेकर अधिकारियों ने सरकार की किरकिरी करायी थी। जांच में पीडब्ल्यूडी में हुए तबादलों में जमकर भ्रष्टाचार की पुष्टि होने के बाद सरकार ने पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी अनिल कुमार पांडेय को हटा दिया था जबकि पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया था। प्रतिनियुक्ति पर आए अनिल कुमार पांडेय के खिलाफ विजिलेंस जांच और विभागीय कार्रवाई की संस्तुति भी की गई है। वहीं पीडब्ल्यूडी में तबादलों में धांधली पर विभागाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता समेत पांच को निलंबित कर दिया। निलंबित किए जाने वालों में मनोज गुप्ता के अलावा प्रमुख अभियंता (परियोजना एवं नियोजन) राकेश सक्सेना, वरिष्ठ स्टाफ अफसर शैलेंद्र यादव, प्रशासनिक अधिकारी व्यवस्थापन पंकज दीक्षित और प्रधान सहायक व्यवस्थापन संजय चौरसिया हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग में हुए तबादलों पर जांच जारी है। स्वास्थ्य विभाग में हुए तबादलों को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी नाराजगी जाहिर की थी।

भूजल सप्ताह के समापन मौके पर बोले सीएम

बचानी होगी वर्षा जल की हर बूंद

» कार्यक्रम में जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक नहीं रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज भूजल सप्ताह के समापन मौके पर कहा कि भूजल संचयन और संवर्धन का दीर्घकालिक लाभ मिल रहा है। विगत पांच वर्ष में हमको इस प्रक्रिया से 60 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित करने में हमें मदद मिली है। भूगर्भीय जल के संरक्षण के साथ हमें वर्षा जल की हर बूंद को बचाना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अमृत सरोवर बनाने की प्रक्रिया बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भूजल एटलस का विमोचन किया। कार्यक्रम में इस्तीफा देकर खलबली मचाने वाले जलशक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक मौजूद नहीं थे।

महंगाई पर संसद में विपक्ष का हंगामा

» हंगामे के कारण बाधित रहे दोनों सदन

» रवि किशन पेश कर सकते हैं जनसंख्या नियंत्रण विधेयक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में आज भी विपक्ष ने महंगाई और खाद्य सामग्रियों पर जीएसटी में बढ़ोतरी को लेकर हंगामा किया। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं भाजपा सांसद रवि किशन लोकसभा में जनसंख्या नियंत्रण पर निजी विधेयक पेश कर सकते हैं।

संसद में महंगाई के मुद्दे को लेकर कांग्रेस सांसदों समेत विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ आज भी विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच लोक सभा और राज्य सभा को कुछ देर के लिए स्थगित किया गया। विपक्ष संसद में महंगाई पर चर्चा कराने की मांग कर रहा है। इसके पहले बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश ने लोक सभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। वहीं इस बीच कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने हाल ही में जीएसटी दर में वृद्धि के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है। भाजपा सांसदों के निजी विधेयकों को आज पेश न करने की मांग की गई है। भाजपा सांसद रवि किशन आज संसद में जनसंख्या नियंत्रण विधेयक पेश कर सकते हैं।

सपा गठबंधन में छिपे भितरघाती, द्रौपदी मुर्मू को तय वोटों से मिले ज्यादा मत

» राजभर और शिवपाल के साथ छह अन्य लोगों ने की थी बगावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिस विपक्षी एकजुटता के बूते पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ रोकने का असफल प्रयास किया, वह लोकसभा चुनाव के पहले बिखरना शुरू हो गया है। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव व सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की खुली बगावत गठबंधन की उभरी गांठ के समान है तो गुरुवार को आए राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम ने सपा गठबंधन में और भी भितरघाती छिपे होने की चुगली कर दी है।

राष्ट्रपति चुनाव में राजग प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को उत्तर प्रदेश से 282 वोट से बढ़कर 287 वोट मिल जाना और विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के 119 तय माने जा रहे वोटों में आठ मतों की सेंध सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की गड़बड़ा रही सियासत का गणित समझा रही है। राष्ट्रपति चुनाव में उत्तर प्रदेश के विधायकों के मतों का मूल्य सबसे अधिक 208 था। चूंकि यहां विधायकों की संख्या भी सर्वाधिक 403 है, इसलिए इस राज्य के मतों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्ष, दोनों की नजर थी। शुरुआत में माना जा रहा था कि राजग प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को भाजपा गठबंधन के 273 विधायकों का वोट मिल जाएगा, जबकि विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के लिए सपा गठबंधन के 125 सहित कांग्रेस के दो मिलाकर 127 विधायकों के वोट का आंकड़ा था। यह भी संभावित था कि आदिवासी वर्ग की महिला होने के चलते बसपा प्रमुख मायावती राजग प्रत्याशी को समर्थन देंगी। मायावती ने इसकी घोषणा भी कर दी और इस तरह बसपा का एक वोट राजग के साथ आने से 274 मत की व्यवस्था हो गई। लोकतांत्रिक जनसत्ता दल के रघुराज प्रताप सिंह ने भी अपने दो वोट मुर्मू को देने की घोषणा की तो आंकड़ा 276 पर पहुंच गया। यहां तक भाजपा के वोटों में कुछ बढ़त बेशक हुई हो, लेकिन कांग्रेस के दो वोट सहित सपा गठबंधन के पास 127 वोटों की पूंजी बरकरार थी। विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के लिए जुट रही इस ताकत को झटका तब लगना शुरू हुआ, जब द्रौपदी मुर्मू समर्थन मांगने लखनऊ आईं। अचानक ही सपा मुखिया के चाचा शिवपाल सिंह यादव और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर पहुंच गए और राजग प्रत्याशी के समर्थन में उन्होंने सपा से खुली बगावत कर डाली। साथ ही विपक्ष की मुट्ठी से शिवपाल का एक और सुभासपा के छह समेत कुल सात वोट और खिसक गए। इसके बाद माना जा रहा था कि यशवंत को सपा गठबंधन और कांग्रेस के 120 विधायकों के वोट मिल जाएंगे। मगर, मतदान वाले दिन सपा विधायक नाहिद हसन वोट डालने नहीं आए। तब यशवंत के खाते में 119 वोट तय माने जा रहे थे। सुभासपा के अब्बास अंसारी के भी वोट न देने से मुर्मू के पक्ष में कुल 282 वोट पड़ने की उम्मीद थी, लेकिन गुरुवार को सामने आए चुनाव परिणाम ने खास तौर पर अखिलेश के लिए अलार्म बजाया है। दरअसल, भाजपा को उम्मीद से पांच अधिक 287 वोट मिले हैं, जबकि यशवंत को यूपी के 111 विधायकों के ही वोट मिल सके। यह भी तब है, जबकि तीन वोट निरस्त हुए हैं। इससे साफ है कि शिवपाल और ओमप्रकाश की तरह सपा गठबंधन में कुछ बागी अभी खामोशी से बैठे हुए हैं। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन में शुरू हुए बिखराव का यह प्रत्यक्ष प्रमाण माना जा सकता है।

प्रदेश में बेरोजगारी दर को कम करने के प्रयास : दुर्गा शंकर

» प्रदेश में 8000 करोड़ का निवेश करेगा ब्रह्म कारपोरेट ग्रुप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ब्रह्म कारपोरेट ग्रुप उत्तर प्रदेश में 8000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के साथ ब्रह्म कारपोरेट समूह और आईसीएसटी संयुक्त उद्यम (बीआईडीजेवाई) के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक में बीआइडीजेवाई के अध्यक्ष भावुक त्रिपाठी ने यह इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ग्रुप उप्र में अगले वर्ष जनवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भागीदारी व सहयोग के लिए जार्जिया, इंडियाना और व्योमिंग राज्यों तथा स्पेन व मैक्सिको से उच्चतम स्तर पर नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रुप अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर ध्यान देने के लिए भूमि प्रशासन से जुड़े विभागों के लिए पारदर्शी, सुरक्षित और आसान तकनीक, साइबर सुरक्षा उपायों के साथ विभिन्न विभागों में डिजिटल एकीकरण तथा कई अन्य परियोजनाओं को उप्र के साथ साझा करना चाहता है। आईसीएसटी ने ई-पशुहाट, किसान मित्र, स्मार्ट सिटी और यूनिवर्सल हेल्थ केयर जैसे राष्ट्रीय प्लेटफार्म तैयार किये हैं। यह संयुक्त उद्यम इन्वेस्ट यूपी मिशन में सहयोग करने के साथ प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में अपना योगदान देने का प्रयास करेगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश को आकर्षित करने तथा उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है। एक जनपद एक उत्पाद योजना के माध्यम से प्रदेश में बेरोजगारी दर को कम करने और एक्सपोर्ट को बढ़ाने में बड़ी मदद मिली है। राज्य सरकार आइटी और मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को प्रोत्साहित कर रही है। साफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में प्रदेश सरकार युवाओं के लिए अवसर उपलब्ध करा रही है।

लुलु मॉल विवाद पर भड़के आजम, कहा लुलु-टुलु है क्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान एमपी/एमएलए कोर्ट में पेशी पर पहुंचे। लखनऊ के लुलु मॉल को लेकर पूछे गए सवाल पर उनका पारा चढ़ गया। इस दौरान वे बोले कि हम आज तक किसी मॉल में गए नहीं, जो गए हैं उनसे पूछिए लुलु, लोलो, टुलु, टोलो है क्या यार बताओ। ये भी कोई बात हुई लुलु, लुलु और कोई काम ही नहीं है। लुलु मॉल पर आजम खान के इस अटपटे गुस्से पर उनके पीछे खड़े उनके समर्थक भी होठों-होठों में ही मुस्कुरा दिए।

उनका यह वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं सोशल मीडिया पर लोग खूब देख रहे हैं और हंस रहे हैं। बता दें कि लखनऊ में प्रदेश के सबसे बड़े लुलु मॉल का सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया था। शुरू होने के साथ ही यहां पर नमाज पढ़ने का एक वीडियो वायरल हो गया था, जिस कारण विवाद हो गया। मॉल के अंदर करीब आधा दर्जन लोग नमाज अदा करते दिखाई दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद से जमकर हंगामा हुआ। वहीं लुलु मॉल में दो युवकों का हनुमान चालीसा पढ़ते हुए वीडियो वायरल हो गया है। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है, लेकिन लुलु मॉल को लेकर जारी विवाद थमता नहीं दिख रहा है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का कराया जा रहा तकनीकी परीक्षण : नंदी

» पूर्व मुख्यमंत्री को लेकर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के निर्माण को लेकर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने फिर एक बार ट्वीट कर बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। उन्होंने लिखा है कि उद्घाटन के बाद हफ्ते भर में ही गड्ढे निकल आए हैं।

अखिलेश यादव के इस ट्वीट का उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ट्वीट कर जवाब दिया है। लिखा है कि अखिलेश जी आपको कम से कम बेसिक टेक्निकल नालेज तो होना ही चाहिए। नंदी ने ट्वीट में लिखा है कि अखिलेश जी सुना है आप आस्ट्रेलिया से पढ़कर लौटे हैं। अलग बात है कि आप अपने को गूगल मैप का बड़ा जानकार बताते हैं लेकिन प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की मर्यादा के अनुसार थोड़ा लिखकर फिर पढ़कर पोस्ट करना चाहिए। कम से कम बेसिक टेक्निकल जानकारी तो जरूर रखनी चाहिए। कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के निर्माण के पश्चात विभिन्न तकनीकी परीक्षण कराए जा रहे हैं। स्ट्रेट-एज एवं प्रोफाइलोमीटर से सतह असमानता की जांच एवं जहां कहीं भी असमानता है, उसको दूर करने के लिए विशिष्टियों के अनुसार आयताकार भाग में पूर्व प्रयुक्त सामग्री को हटाकर दोबारा सरफेस लेयर का कार्य किया जा रहा है। मेरी आपको सलाह है कि अपने अल्पज्ञानी सलाहकारों के अधकचरे ज्ञान के भरोसे राजनीति न करें।

यूपी में फार्मेसी कॉलेजों को एनओसी देने में मनमानी

» प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने सचिव को हटाने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद की ओर से प्रदेश के नए फॉर्मेसी कालेजों को अनापत्ति प्रमाणपत्र यानी एनओसी देने में मनमानी सामने आई है। सरकार के निर्देश के बाद भी बिना शपथपत्र लिए आवेदन स्वीकार किए गए। भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस के तहत प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने परिषद के सचिव सुनील कुमार सोनकर को पद से हटाने का निर्देश प्रमुख सचिव को दिया है।

प्राविधिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश उन फार्मेसी कालेजों को संबद्धता देता है जो अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद यानी एआइसीटीई से मान्यता प्राप्त फार्मेसी डिप्लोमा व डिग्री कोर्स संचालित करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर प्रदेश के फार्मेसी कालेजों से आवेदन लेकर उन्हें एनओसी दिया जाना था। प्राविधिक शिक्षा विभाग ने पहली बार एनओसी देने की व्यवस्था आनलाइन कराई। इसमें निर्देश दिया गया कि संबंधित कालेजों से शपथपत्र लेकर ही एनओसी दी जाए। शपथपत्र में कालेजों को भूमि, भवन व अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी जानी थी। विभाग ने बड़ी संख्या में कॉलेजों को एनओसी जारी कर दी है। इसमें कई कॉलेजों से शपथपत्र लिया ही नहीं गया और कई का शपथपत्र बिना देखें आंख मूंदकर एनओसी दिए जाने का आरोप है। प्राविधिक शिक्षा मंत्री पटेल ने इसे गंभीरता से लिया है और परिषद के सचिव सुनील कुमार सोनकर को हटाने के लिए प्रमुख सचिव को निर्देश जारी कर दिया है।

रोज बढ़ती जा रही सुभासपा की सपा से दूरी, अब आजम-राजभर में वाक्युद्ध

» आजम के बयान पर भड़के राजभर बोले, धूप में न खड़ा होता तो सपा को इतनी भी सीटें नहीं मिलतीं

» रामपुर-आजमगढ़ के उपचुनाव में नहीं चला आजम खां का जोर

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) और सपा के बीच चल रही रस्साकशी का दौर बढ़ता ही जा रहा है। दोनों दलों में वाक्युद्ध जब से शुरू हुआ तब से सुभासपा की सपा से दूरी और बढ़ गई है। अखिलेश के बाद अब आजम खां भी राजभर के निशाने पर है एक तरीके से राजभर ने आजम खां से सियासी जंग शुरू दी है। विधायक आजम खां के राजभर पर दिए बयान पर सुभासपा प्रमुख ने कहा कि रामपुर-आजमगढ़ के उपचुनाव में दिख गया कि आजम खां का कोई प्रभाव नहीं है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने सपा नेता आजम खां के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर वे धूप में खड़े नहीं होते तो विधान सभा चुनाव में सपा को इतनी भी सीटें नहीं मिलती।

आजम खां को खुद अपने प्रभाव को देखना चाहिए कि रामपुर व आजमगढ़ के उपचुनाव में उनके प्रचार के बावजूद मुस्लिम समाज ने सपा को वोट नहीं दिया, जिससे सपा को हार का मुंह देखना पड़ा। अगर सुभासपा नहीं होती तो सपा की और करारी हार हुई होती। सपा नेता आजम खां के बयान कि ओमप्रकाश राजभर को कभी धूप में खड़ा नहीं देखा है। अखिलेश यादव के बारे में उन्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए। इस पर सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि बिना संगठन मजबूती के कोई चुनाव नहीं जीत सकता है। संगठन तभी मजबूत होगा, जब लखनऊ के वातानुकूलित कमरे की राजनीति को छोड़कर बूथ व मंडल स्तर पर काम किया जाए। आज भी वह अपने बयान पर कायम है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव के लखनऊ की राजनीति करने से ही सपा का बूथ व मंडल स्तर पर संगठन मजबूत नहीं हुआ है, जिसका नतीजा सामने है। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव लखनऊ से निकले होते तो परिणाम सपा के पक्ष में होता। उन्होंने कहा कि आजम खां का अपने वोटरों में कितना प्रभाव है यह रामपुर व आजमगढ़ के उपचुनाव में देखने को मिल गया है। आजमगढ़ में आजम खां चुनाव प्रचार करने आए थे। बावजूद इसके मुस्लिमों का वोट बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली को चला गया। राजभर ने कहा कि उन्होंने तपती दोपहरी में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच एक दिन में 14 से 15 जनसभाएं की। सुभासपा साथ नहीं होती और वह खुद प्रचार नहीं करते तो सपा प्रत्याशी तीसरे नंबर पर होते।

आजम ने राजभर को घेरा अखिलेश का किया बचाव

सपा मुखिया अखिलेश यादव को एसी में बैठकर ट्वीट करने वाला नेता बताने के बयान को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा हमने उन्हें (ओमप्रकाश राजभर) कभी धूप में खड़ा नहीं देखा। कभी धूप में खड़ा देखूंगा तब उनके बारे में बोलूंगा। साथ ही ओमप्रकाश को सच बोलने की नसीहत दी। आजम ने कहा कि ओमप्रकाश झूठ न बोलें, सच बोलें तो बेहतर होगा। इस बयान के साथ आजम खां ने अखिलेश के साथ उनके संबंधों के बीच दरार तलाशने वालों को भी आईना दिखाया। हालांकि आजम ने अपने बयान में ओमप्रकाश राजभर का नाम नहीं लिया। इसकी वजह से यह बात भी उड़ी कि आजम खां ने यह टिप्पणी अखिलेश यादव के लिए की है। इसके तूल पकड़ने के बाद आजम खां के बेटे अब्दुला आजम ने ट्वीट करके स्पष्ट किया कि हमने उन्हें कभी धूप में खड़ा नहीं देखा' वाली टिप्पणी ओमप्रकाश राजभर के लिए की गई है न कि अखिलेश के लिए।

सपा और सुभासपा में तल्खी का ये है कारण

राज्य सभा की तीन सीटों में से सपा ने एक आरएलडी को दे दी तो एक अपने पास रखी जबकि एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतरे कपिल सिब्बल को सपोर्ट दे दिया। इसके बाद जब नंबर एमएलसी चुनाव का आया तो इसमें राजभर को अपने बेटे के लिए उम्मीद थी। वे अपने बेटे अरविंद के लिए एक सीट मांग रहे थे लेकिन अखिलेश ने ऐसा नहीं किया जबकि दूसरी तरफ, भाजपा से आए स्वामी प्रसाद मौर्य को चुनाव में हार मिलने के बावजूद एमएलसी बना दिया गया। इस घटनाक्रम ने ओपी राजभर को और मुखर कर दिया और वे सिर्फ सपा ही नहीं बल्कि सीधे अखिलेश यादव पर सवाल खड़े करने लगे। राजभर ने अखिलेश यादव के लिए यहां तक कह दिया कि जनता का समर्थन पाने के लिए उन्हें एयर कंडीशन रूम से बाहर आना पड़ेगा।

सीएम योगी की लगातार तारीफ कर रहे राजभर

ओमप्रकाश राजभर ने योगी आदित्यनाथ को कर्मठ, ईमानदार और मेहनती मुख्यमंत्री करार देते हुए कहा कि सीएम की ईमानदारी पर कोई प्रश्न नहीं उठा सकता है। वे एक कर्मठ नेता हैं और उनके काम में कोई कमी नहीं है। इसी वजह से उनकी चर्चा शिवपाल सिंह यादव के साथ ही अन्य लोग करते हैं। हाल ही में हुए लोक सभा उपचुनाव के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि उपचुनाव के दौरान आजमगढ़ में वह जहां-जहां गए सब जगह लोगों ने यही कहा कि समाजवादी पार्टी के काल में जो गुंडागर्दी, रंगदारी थी, इस सरकार में हमें निजात मिली है। झांसी, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, एटा, इटावा, सहारनपुर, बागपत, शामली हर जगह व्यापारियों ने भी योगी आदित्यनाथ की सराहना की। राजभर ने सीएम की तारीफ करने के साथ ही यह भी कहा कि योगी सरकार में बड़ा बदलाव आया है। वहीं विपक्ष को साथ लेकर चलने की बात पर राजभर ने कहा योगी सबकी सुनते हैं। योगी से मैंने अपने क्षेत्र की समस्याओं और विधायकों की बातों को लेकर तीन बार मुलाकात की है। यही नहीं, स्थानांतरण प्रकरण में सीएम योगी ने मंत्रियों से कहा है कि वे विपक्ष के विधायकों की बात भी ध्यान से सुनें। उनकी भी मांगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। ऐसा पिछले पांच साल में पहली बार देखने को मिल रहा है।

विदेशी निवेशकों को लुभाने में जुटी प्रदेश सरकार, ग्लोबल ब्रांडिंग को करेगी रोड शो

» ग्लोबल इंवेस्टर समिट से पहले दर्जन भर देशों में जाएंगे मंत्री

» प्रवासी भारतीयों से स्थापित करेंगे संवाद, निवेश की संभावना पर देंगे जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में निवेश बढ़ाने को लेकर योगी सरकार ने कमर कस ली है। विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए सरकार ने नयी रणनीति तैयार की है। इसके तहत सरकार यूपी की ग्लोबल ब्रांडिंग के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। अगले साल जनवरी में प्रस्तावित ग्लोबल इंवेस्टर समिट से पहले प्रदेश के मंत्री विदेश दौरे पर जाएंगे। यूपी के ब्रांड एंबेसेडर के रूप में मंत्रियों का दल अलग-अलग देशों में रोड शो आयोजित कर प्रदेश में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं की जानकारी देगा।

यूपी का प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में उद्योग जगत के लोगों से मिलकर यूपी के निवेश अनुकूल माहौल का हवाला देते हुए उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित करेगा। यही नहीं, उन देशों में प्रवासी भारतीयों खासकर यूपी के लोगों से संवाद कर प्रदेश के बदले माहौल और भावी कार्ययोजना पर बातचीत भी की जाएगी। संभावना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद भी किसी एक देश के दौरे पर जाएंगे।

सीएम योगी ने ग्लोबल इंवेस्टर समिट को 'नए यूपी की आकांक्षाओं को उड़ान' देने वाला बड़ा अवसर बताया है। इसी के तहत मंत्रियों को विदेश भेजा जाएगा। जो खाका तैयार किया गया है उसके अनुसार एक कैबिनेट मंत्री की टीम में एक राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा एक राज्य मंत्री शामिल होंगे। इनके साथ अधिकारी भी रहेंगे। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट के लिए सिंगापुर ने फर्स्ट कंट्री पार्टनर बनने की पेशकश की है। इससे पहले वर्ष 2018 के इंवेस्टर समिट में नीदरलैंड, जापान, स्लोवाकिया, फिनलैंड, चेक रिपब्लिक, मॉरीशस, थाईलैंड, नेपाल व बेल्जियम कंट्री पार्टनर रहे हैं। इन देशों के साथ-साथ यूके, यूएसएस, कनाडा, यूएई, स्वीडन, सिंगापुर, नीदरलैंड, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, साउथ कोरिया, मॉरीशस, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में रोड शो आयोजित करने की तैयारी है। मंत्रियों का यह दौरा सितंबर से नवंबर के बीच हो सकता है।

लैंड बैंक को किया जाएगा मजबूत

पिछले दिनों आयोजित बैठक में सीएम योगी ने कहा था कि औद्योगिक इकाइयों के लिए जमीन प्राथमिक आवश्यकता है। प्रदेश में लगभग एक लाख हेक्टेयर भूमि है। प्रयास यह रहे कि समिट से पहले लैंड बैंक को और मजबूत किया जाए। इसके लिए राजस्व विभाग की एक टीम गठित करें, जो निवेश के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित कर ले। निवेशक यहां आएं तो उन्हें निवेश के लिए जमीन की कोई समस्या न हो। इसके अलावा प्रयास करें कि 50 करोड़ रुपये से अधिक राशि के निवेश के लिए समझौता पत्र राज्य स्तर पर हों। इससे कम धनराशि के निवेश प्रस्तावों के लिए जिला स्तर पर एमओयू किया जाना चाहिए। निगरानी और सहज क्रियान्वयन के लिए वेब पोर्टल तैयार किया जाए।

सेक्टोरल पॉलिसी के साथ निवेशकों को देंगे न्योता

औद्योगिक निवेश से रोजगार के बड़े अवसरों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने औद्योगिक निवेश के माहौल को और बेहतर करने के लिए नियमों में समयानुकूल बदलाव करने को कहा है। मंत्रियों के विदेश दौरों से पहले फूड प्रोसेसिंग, हैंडलूम, पॉवरलूम, आईटी, बायोफ्यूल, फिल्म एंड मीडिया, पर्यटन, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग और कॉमिक इंडस्ट्री, खिलौना निर्माण, नागरिक उड्डयन, हाउसिंग एंड रियल एस्टेट सहित एक दर्जन नई सेक्टोरल पॉलिसी के साथ यूपी निवेशकों को आमंत्रित करेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

रुपये में गिरावट और नयी रणनीति

डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। यह 80 रुपये प्रति डॉलर को पार कर चुका है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि यह गिरावट अभी जारी रहेगी। ऐसा नहीं है कि डॉलर के मुकाबले केवल रुपये में ही गिरावट आ रही है, अधिकांश विकासशील और अविकसित देशों की मुद्राओं पर इसका असर दिख रहा है। अफ्रीकी देशों की भी हालत खराब हो चुकी है।

डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। यह 80 रुपये प्रति डॉलर को पार कर चुका है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि यह गिरावट अभी जारी रहेगी। ऐसा नहीं है कि डॉलर के मुकाबले केवल रुपये में ही गिरावट आ रही है, अधिकांश विकासशील और अविकसित देशों की मुद्राओं पर इसका असर दिख रहा है। अफ्रीकी देशों की हालत खराब हो चुकी है। लिहाजा भारत ने रूस की तर्ज पर अफ्रीकी देशों से रुपये में कारोबार करने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। यह 80 रुपये प्रति डॉलर को पार कर चुका है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि यह गिरावट अभी जारी रहेगी। ऐसा नहीं है कि डॉलर के मुकाबले केवल रुपये में ही गिरावट आ रही है, अधिकांश विकासशील और अविकसित देशों की मुद्राओं पर इसका असर दिख रहा है। अफ्रीकी देशों की भी हालत खराब हो चुकी है। लिहाजा भारत ने रूस की तर्ज पर अफ्रीकी देशों से रुपये में कारोबार करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। यदि यह प्लान सफल रहा तो भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और विदेश मुद्रा भंडार पर भारत के साथ अन्य कारोबारी देशों की डॉलर पर निर्भरता कम होगी। सवाल यह है कि क्या अफ्रीकी या अन्य देश भारतीय मुद्रा में व्यापार करने को तैयार होंगे? क्या इससे अमेरिका-भारत के बीच संबंधों पर विपरीत असर नहीं पड़ेगा? क्या भारतीय मुद्रा की गिरावट का बड़ा कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है? भारत से विदेशी निवेशक अपनी पूंजी क्यों निकाल रहे हैं? क्या रुपये में गिरावट से देश में महंगाई और नहीं बढ़ेगी? क्या भारत की रणनीति से तत्काल कोई फायदा हो सकेगा?

दुनियाभर की मुद्राओं के मुकाबले डॉलर तेजी से मजबूत हो रहा है। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से अफ्रीकी और मध्य एशियाई देशों के विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम हो रहे हैं। लिहाजा भारत रूस की तर्ज पर अफ्रीकी देशों को रुपये में कारोबार के लिए मना रहा है। आरबीआई भी घरेलू आयातकों व निर्यातकों को डॉलर के अलावा दूसरी मुद्राओं में कारोबार की छूट दे चुका है। ऐसे में यदि भारत-अफ्रीका के बीच होने वाले 90 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार का एक हिस्सा भी रुपये में होने लगेगा तो इससे विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने में काफी मदद मिलेगी। हाल में हुए भारत-अफ्रीका ग्रोथ पार्टनरशिप सम्मेलन में भारत ने अफ्रीकी देशों के सामने रुपये में द्विपक्षीय कारोबार का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर कुछ अफ्रीकी देशों ने उत्साह दिखाया है। नाइजीरिया और अंगोला जैसे तेल उत्पादक अफ्रीकी देशों में महंगाई दर क्रमशः 25 और 20 प्रतिशत पहुंच चुकी है। अंगोला, मेडागास्कर, लाइबेरिया आदि में सौ फीसदी डॉलर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है और अब इन देशों में भी अपनी मुद्रा में कारोबार की आवाज उठने लगी है। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दर बढ़ाने से विदेशी निवेशकों ने भारत से तेजी से डॉलर निकाला। इसके कारण रुपये में तेजी से गिरावट हुई है। जाहिर है यदि भारत और अफ्रीकी व मध्य एशियाई देशों के बीच अपनी-अपनी मुद्रा में कारोबार करने में सहमति बन गई तो इसका अर्थव्यवस्था पर गहरा और दूरगामी असर पड़ेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आलोचना पर अंकुश जनतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार

विश्वनाथ सचदेव

पता नहीं अब संसद में 'भ्रष्ट' या 'तानाशाही' जैसे शब्द सुनाई देंगे या नहीं और यह भी नहीं कह सकते कि सांसद यदि इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इनकी जगह कौन-से शब्द काम में लेंगे, पर यह तय है कि संसद के वर्तमान सत्र में इन और ऐसे शब्दों को लेकर कुछ बहस जरूर होगी। यहां बहस की जगह तू-तू, मैं-मैं का उपयोग बेहतर रहता पर पता नहीं यह शब्द संसद की स्वीकृत शब्दावली में है भी या नहीं। लोक सभा के कार्यालय द्वारा हाल में जारी की गयी असंसदीय शब्दों की नयी सूची में संभवतः पंद्रह सौ से अधिक शब्द हैं, जिन्हें असंसदीय करार दिया गया है। इसका अर्थ तो यही होना चाहिए कि इस सूची में शामिल शब्दों का उपयोग संसद में वर्जित है लेकिन लोक सभा के अध्यक्ष ने यह जानकारी दी है कि इसका अर्थ यह नहीं है कि ये शब्द वर्जित हैं, अध्यक्ष अपने विवेक से संदर्भ को देखते हुए यह निर्णय देंगे कि शब्द-विशेष को संसद की कार्रवाई में रखा जाये या उसे हटा दिया जाये।

सवाल यह उठ रहा है कि यदि मामला अध्यक्ष के विवेक का ही है तो कार्रवाई से हटाये गये शब्दों की सूची जारी करने का क्या अर्थ है और यदि ये शब्द वर्जित नहीं हैं तो विवाद किस बात का? कहा यह भी जा रहा है कि इस तरह की सूची जारी करने की परंपरा पुरानी है। सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि कोई पुरानी परंपरा अर्थहीन है तो उसे ढोने की आवश्यकता क्या है? ऐसी ही एक और 'परंपरा' के नाम पर संसद-परिसर में सांसदों द्वारा किये जाने वाले प्रदर्शन आदि पर प्रतिबंध लगाने संबंधी निर्देश जारी किया जाना है। आये दिन संसद-परिसर में, अधिकतर गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष, विपक्ष के सांसदों को प्रदर्शन करते देखा जाता है। पर इन्हें अनुचित बताने संबंधी परिपत्र शायद संसद के हर सत्र के शुरू होने पर जारी किया जाता है। यहां भी मामला एक परिपाटी के चले आने का है। बहरहाल, असंसदीय व्यवहार का सामान्य अर्थ तो यही है कि जो व्यवहार संसद की मर्यादा के अनुकूल न हो वह अनुचित है। संसद हमारे लोकतंत्र का मंदिर है, सांसद इस मंदिर की पवित्रता को बनाये रखने के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार का असंसदीय व्यवहार स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। पर, आये दिन हम अपनी संसद में, और विधानसभाओं में, सांसदों या विधायकों के अनुचित व्यवहार के उदाहरण देखते रहते हैं। सदन में नारेबाजी, शोर-शराबा करके सदन की कार्रवाई न चलने देने के उदाहरण

अक्सर दिख जाते हैं। मजे की बात यह है कि इसे संसदीय कार्य-प्रणाली की वैध कार्रवाई भी बताया जाता है। और ऐसा भी नहीं है कि यह कार्य सिर्फ विपक्ष ही करता है। शोर-शराबा और नारेबाजी दोनों ओर से होती है। स्पष्ट है, वैध कार्रवाई की परिभाषा पर मतभेद हैं। अक्सर यह दायित्व पीठासीन अधिकारी का होता है कि वह सदन के सदस्यों को नियंत्रित रखें।

सांसदों से अपेक्षा यह रहती है कि सदन में सारगर्भित बहस हो, वाद-विवाद भी हो और विपक्ष सरकार की आलोचना भी कर सकता है। सहज जिज्ञासा होती है कि आलोचना करते समय विपक्ष किन शब्दों का इस्तेमाल करेगा। 'जुमलाबाजी', 'बाल-बुद्धि', 'मगरमच्छ के आंसू', 'चमचागीरी', 'तानाशाह', 'अक्षम', 'दोहरा चरित्र', 'भ्रष्ट', 'नाटक', 'शकुनि', 'बहरी सरकार'... जैसे अनेक शब्दों को असंसदीय बता दिया गया है। यदि ये और ऐसे शब्द असंसदीय हैं, उपयोग में लाने लायक नहीं हैं, तो इन्हें बोलने पर प्रतिबंध लगना ही चाहिए। पर यदि प्रतिबंध पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है तो इस तरह की सूची जारी करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता। उचित यही है कि सदस्य अपने कहे पर विवेक का पहरा स्वयं रखें।

पीठासीन अधिकारियों द्वारा कार्रवाई से शब्दों का हटाया जाना अच्छा उदाहरण प्रस्तुत नहीं करता। लेकिन यह भी कोई अच्छी बात नहीं है कि शब्दों पर प्रतिबंध लगाकर सदस्यों के जनतांत्रिक अधिकारों और कर्तव्यों पर अंकुश लगे। विपक्ष के कई मुखर सांसद यह कह चुके हैं कि वे तो इन कथित प्रतिबंधित शब्दों का इस्तेमाल करेंगे, देखते हैं पीठासीन अधिकारी क्या करते हैं। स्वस्थ जनतांत्रिक परंपराओं का तकाजा है कि हमारे सांसदों या विधायकों को अपनी बात स्वतंत्रतापूर्वक कहने का अवसर मिलना चाहिए। यही परंपराएं यह भी बताती हैं कि सरकारी पक्ष का दायित्व यह भी है कि वह विपक्ष को डराने के काम न करे। आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, और आलोचना सुनना सरकारी पक्ष का कर्तव्य। आलोचना के अधिकार पर किसी भी प्रकार का अंकुश जनतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार ही माना जायेगा। कथित असंसदीय शब्दों के बजाय सदन में अनुचित व्यवहार से बचना जरूरी है और यह बात दोनों पक्षों पर लागू होती है।

शुरुआती सजगता संक्रमण रोकने में मददगार

शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों देश में मंकीपॉक्स के केस की पुष्टि हो गयी है। इस वायरस से केरल में पहला व्यक्ति संक्रमित हुआ है जो कि संयुक्त अरब अमीरात से लौटा है। इस शख्स की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। भारत में इस वायरस के मिलने से टेंशन बढ़ गई है। कोरोना वायरस के कहर के बाद अब मंकीपॉक्स वायरस बड़ी तेजी से दुनिया में अपने पैर पसार रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अब तक दुनिया के 75 देशों में इसके 11634 से अधिक पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। इसी तरह 1,500 संदिग्ध मामलों पर नजर रखी जा रही है। यदि डब्ल्यूएचओ इसे अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करता है तो इसे कोरोना महामारी के समान पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा माना जाएगा और इसके उपचार के लिए विशेष प्रयास और योजनाएं तैयार की जाएंगी। मंकीपॉक्स वायरस ने दुनियाभर के चिकित्सा विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। इस बीच कुछ विशेषज्ञों ने इसकी गंभीरता को देखते हुए इसका बिना भेदभाव और बिना स्टिग्मा वाला नाम रखने की मांग की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अब तक दुनिया के 75 देशों में इसके 11634 से अधिक पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। इसी तरह 1,500 संदिग्ध मामलों पर नजर रखी जा रही है। यदि डब्ल्यूएचओ इसे अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करता है तो इसे कोरोना महामारी के समान पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा माना जाएगा और इसके उपचार के लिए विशेष प्रयास और योजनाएं तैयार की जाएंगी। मंकीपॉक्स वायरस ने दुनियाभर के चिकित्सा विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। इस बीच कुछ विशेषज्ञों ने इसकी गंभीरता को देखते हुए इसका बिना भेदभाव और बिना स्टिग्मा वाला नाम रखने की मांग की है।

मंकीपॉक्स एक जूनोटिक (एक प्रजाति से दूसरी प्रजाति में फैलने वाली) बीमारी है। ये बीमारी मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमण के कारण होती है जो पॉक्सविरिडाइ फैमिली के ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस से आता है। ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस में चेचक (स्मालपॉक्स) और काउपॉक्स बीमारी फैलाने वाले वायरस भी आते हैं। साल 1958 में रिसर्च के लिए तैयार की गई बंदरों की बस्तियों में यह वायरस सामने आया था और इससे पॉक्स जैसी बीमारी होना पाया गया था। मंकीपॉक्स से संक्रमित किसी जानवर या इंसान के संपर्क में आने पर कोई भी व्यक्ति संक्रमित हो सकता है। ये वायरस टूटी त्वचा, सांस और मुंह के जरिए शरीर में प्रवेश करता है।

छींक या खांसी के दौरान निकलने वाली श्वसन बूंदों से इसका प्रसार होता है। इंसानों में मंकीपॉक्स के लक्षण चेचक जैसे होते हैं। शुरुआत में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों और पीठ में दर्द, थकावट होती है और तीन दिन में शरीर पर दाने निकलने लग जाते हैं। मंकीपॉक्स के लक्षण आमतौर पर फ्लू जैसी बीमारी और लिम्फनोड्स की सूजन से शुरू होते हैं, फिर चेहरे और शरीर पर दाने पड़ने लगते हैं। अधिकांश संक्रमण 2-4 सप्ताह तक चलता है।

दरअसल, मंकीपॉक्स संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट ट्रीटमेंट नहीं है। हालांकि, अमेरिका में मंकीपॉक्स और चेचक के खिलाफ एक वैक्सीन को लाइसेंस दिया गया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, चेचक, खसरा, बैक्टीरियल स्किन इनफेक्शन, खुजली और दवाओं से होने वाली एलर्जी मंकीपॉक्स से अलग होती है। साथ ही मंकीपॉक्स में लिंफनोड्स में सूजन होती है जबकि चेचक में ऐसा नहीं होता है। इसका इनक्यूबेशन पीरियड (इनफेक्शन से सिम्प्टम्स तक का समय) आमतौर पर 7-14 दिनों का होता है लेकिन यह 5-21 दिनों का भी हो सकता है। मंकीपॉक्स को कई मध्य और पश्चिमी अफ्रीकी देशों जैसे कैमरून, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कोटे डी आइवर, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, गैबन, लाइबेरिया, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन में स्थानिक बीमारी के रूप में सूचित किया गया है। हालांकि, अमेरिका, ब्रिटेन, बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, पुर्तगाल, स्पेन, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ऑस्ट्रिया, इस्राइल और स्विट्जरलैंड जैसे कुछ देशों में भी मामले सामने आए हैं। फिलहाल भारत में इसके दो केस पाये गये हैं। मंकीपॉक्स से सबसे ज्यादा प्रभावित देश ब्रिटेन है। ब्रिटेन में अब तक 300 से अधिक मामले सामने आए हैं। मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों के बीच अब भारत सरकार ने गाइडलाइन जारी कर डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस यूनिट्स को इस तरह के एक भी मामले को गंभीरता से लेने के लिए कहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी गाइडलाइन में कहा है कि मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति की 21 दिनों तक निगरानी की जाएगी। अगर किसी में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखते हैं तो टेस्टिंग के बाद ही इसे कन्फर्म माना जाएगा। गाइडलाइन में मामलों और संक्रमणों के समूहों और इसके स्रोतों की जल्द से जल्द पहचान करने के लिए एक सर्विलांस स्ट्रेटेजी बनाने की बात कही गई है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने प्रकोप को 'आपातकालीन प्रकृति' की तरफ इशारा किया है और कहा है कि इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 'तेजी से कदम उठाने' की जरूरत है। लिहाजा भारत को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

कामिका एकादशी

इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और दान करने से मिलता है कभी न खत्म होने वाला पुण्य

रविवार 24 जुलाई को सावन महीने की एकादशी का व्रत किया जाएगा। जिसका नाम कामिका एकादशी है। पुराणों में कहा गया है कि इस तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी पर भगवान विष्णु को तुलसी पत्र च?ाने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। इस दिन तीर्थ स्नान और दान से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

बिना पानी और भोजन के किया जाता है व्रत

सावन महीने में आने वाली एकादशियों को पर्व भी कहा जाता है। सावन मास में भगवान नारायण की पूजा करने वालों से देवता, गंधर्व और सूर्य आदि सब पूजित हो जाते हैं। एकादशी के दिन स्नानादि से पवित्र होने के बाद पूजा का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु की मूर्ति की पूजा करना चाहिए। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत और अन्य सामग्री चढ़ाकर आठों प्रहर निर्जल रहना चाहिए। यानी पूरे दिन बिना पानी पीए विष्णु जी के नाम का स्मरण करना चाहिए। एकादशी व्रत में ब्राह्मण भोजन एवं दक्षिणा का भी बहुत महत्व है। इस प्रकार जो यह व्रत रखता है उसकी कामनाएं पूरी होती हैं।

ब्रह्माजी ने नारद को बताया

कामिका एकादशी व्रत की कथा सुनना यज्ञ करने के समान है। इस व्रत के बारे में ब्रह्माजी ने देवर्षि नारद को बताया कि पाप से भयभीत मनुष्यों को कामिका एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत से बढ़कर पापों के नाशों का कोई उपाय नहीं है। स्वयं प्रभु ने कहा है कि कामिका व्रत से कोई भी जीव कुयोनि में जन्म नहीं लेता। जो इस एकादशी पर श्रद्धा-भक्ति से भगवान विष्णु को तुलसी पत्र अर्पण करते हैं, वे इस समस्त पापों से दूर रहते हैं।

भगवान विष्णु के सामने लें व्रत का संकल्प

स्कंद पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी पर व्रत, पूजा और दान से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। लेकिन, जानबूझकर दोबारा कोई पाप या अधर्म नहीं होगा, ऐसा संकल्प भगवान विष्णु के सामने लेने पर ही इसका फल मिलता है। ये व्रत साल की 24 एकादशियों में खास माना गया है।

सावन में विष्णु पूजा महत्व

महाभारत और भविष्य पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इनके अलावा विष्णुधर्मोत्तर पुराण में भी जिक्र है कि सावन महीने में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास से मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। पुराणों में कहा गया है कि सावन महीने के दौरान पंचामृत और शंख में दूध भरकर भगवान विष्णु का अभिषेक करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

हंसना मना है

पापा: पढ़ ले बेटा पढ़ ले, बाद में तो ऐश है। बच्चा: पागल मत बनाओ पापा, अभिषेक बच्चन ने शादी कर ली है। तो अब पढ़कर क्या ही फायदा।

चिंटू: दुनिया में दो तरह के नेटवर्क ही सबसे तेज हैं। मिंटू: कौन-कौन से? चिंटू: एक ईमेल और दूसरा फीमेल, एक मिनट में इधर की बात उधर पहुंचा देती हैं।

टीचर: अगर तुम्हारे पास 10 आम हों, उसमें से 4 तुम रीना को 3 पिंकी और 3 चिंकी को दे दो तो तुम्हें क्या मिलेगा? स्टूडेंट: सर! मुझे 3 गर्लफ्रेंड मिलेंगी.. टीचर एक दम चुप।

दोस्त: तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला? संजू: तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट किया था, इसलिए निकाला। दोस्त: चेन चांदी की थी क्या? संजू: नहीं साइकिल की।

एक सिपाही ने मौका-ए-वारदात से थानेदार को फोन किया... जनाब, यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी। थानेदार: क्यों...? सिपाही: क्योंकि आदमी पोंछा मारे हुए फर्श पर चढ़ गया था... थानेदार: गिरफ्तार कर लिया औरत को...? सिपाही: नहीं साहब, अभी पोंछा सूखा नहीं है।

कहानी | बादशाह का घमंड

एक बार बादशाह अकबर को इस बात का घमंड हो गया कि वे इतने बड़े मुल्क हिन्दुस्तान के बादशाह हैं, वे क्या कुछ नहीं कर उन्होंने अहंकार से भरकर दरबारियों से पूछा-क्या कोई ऐसा काम है जिसे मैं नहीं कर सकता? एक चाटुकार दरबारी ने चापलूसी करते हुए कहा कि हुजूर का इकबाल बुलंद हो, आप सब कुछ कर सकते हैं, बस केवल सूरज, चांद और दुनिया नहीं बना सकते, हुजूर के वश में मौत नहीं, वैसे हुजूर सब कुछ कर सकते हैं- केवल अन्याय नहीं कर सकते। अकबर ने अन्य दरबारियों की राय पूछी हर किसी ने अपने-अपने तरीकों से बादशाह के बड़प्पन की प्रशंसा की। अंत में उन्होंने बीरबल पर दृष्टि जमाई और पूछा-तुमने नहीं बताया बीरबल, हम क्या नहीं कर सकते? जहांपनाह, सच बात तो यह है कि आप कई काम नहीं कर सकते। जैसे...? बादशाह के माथे पर बल पड़ गए। बीरबल बोला जैसे आप हथेली पर बाल नहीं उगा सकते, आप भूख को वश में नहीं कर सकते, आप आदमी को जानवर और जानवर को आदमी नहीं बना सकते और गुस्ताखी माफ हो जहांपनाह... आप स्त्रियों की भांति प्रसव पीड़ा सहकर बच्चों को जन्म नहीं दे सकते। यह सुनकर बादशाह सोच में डूब गए। उन्हें एहसास हुआ...सच्ची और खरी बात कहकर बीरबल ने उनकी आंखें खोल दीं, वे बीरबल की प्रशंसा किए बगैर न रहे।

इस कहानी से शिक्षा: अनहोनी बातों के बारे में कल्पना कर ये समझ बैठना । कि वह सब कुछ कर सकता है, कोरी मूर्खता ही तो है। बादशाह भी इस बारे में मूर्ख सिद्ध हुआ। बीरबल ने सच्चाई उसके सामने उजागर कर दी।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक दृष्टि से समय शुभ है। सब कुछ सामान्य गति से काम करेगा। नौकरीपेशा जातकों के लिए नवीन अवसर प्राप्ति के लिए उत्कृष्ट समय है। नए परिचित अथवा नवीन सौदे चिंता का कारण बन सकते हैं।

तुला

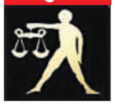

दिन काफी विवादास्पद साबित हो सकता है। आपको अपने वरिष्ठों की उपेक्षा का सामना करना पड़ेगा और आपके सहयोगी आपकी कमजोरियों को भुनाने और खेल बिगाड़ने का काम करेंगे।

वृषभ

आज ऑफिस में आपकी प्रगति का दिन है। आपका कोई काम बॉस को बहुत पसंद आ सकता है। ऑफिस में आपके इंक्रीमेंट की बात हो सकती है, जिससे आपको काफी खुशी होगी।

वृश्चिक

दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको बिजनेस में अच्छा लाभ मिलेगा। करियर में सब कुछ अच्छा रहेगा। अगर आपने कोई ब्यूटी सैलून खोल रखा है, तो आपका काम बढ़िया रहेगा।

मिथुन

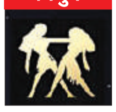

नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें। उन्नति के रास्ते खुलेंगे। बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं। घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं।

धनु

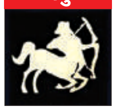

नौकरी में पदोन्नति की संभावना बन रही है। खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर ध्यान रहेगा। बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी। फालतू भाग-दौड़ खत्म हो सकती है।

कर्क

सौभाग्यशाली अवधि नहीं है। पारिवारिक जीवन में भी भाई बहनों से विवाद के कारण अस्थिरता हो सकती है। प्रेम सम्बन्ध यथावत रहेंगे। समर्पित परिश्रम से यदि आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं।

मकर

काम-काज से जुड़े कई नए विकल्प मिल सकते हैं। हालांकि जल्दबाजी में निर्णय लेने से आपको बचना चाहिए। व्यापारिक सन्दर्भ में योजनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे।

सिंह

दिन सामान्य रहेगा। आपको अपने काम की अहमियत को समझने की जरूरत है। आज पहले उसी काम को पूरा करें, जो ज्यादा जरूरी है। काम को पूरा करने में चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं।

कुम्भ

आज आप अपने रिश्तों को अधिक महत्व देंगे। परिवार में खुशहाली बनी रहेगी। आपको सबका साथ मिलेगा। आपका काम समय पर पूरा होगा। बच्चों की पढ़ाई ठीक बनी रहेगी।

कन्या

नौकरी और बिजनेस के फैसले भावनाओं में आकर न लें। विवादों का सामना करना पड़ सकता है। कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। परिवार की समस्याएं बनी रहेंगी।

मीन

आज आप अपनी वाणी पर संयम रखें। अनियमित दिनचर्या के कारण आलस्य और थकान हो सकती है। कुछ छोटे कामों में परेशानियां रहेंगी। इनकम के अनुसार ही खर्चा करें तो अच्छा रहेगा।

आलिया भट्ट की डार्लिंग्स पर फिदा हुए करण जौहर

आलिया भट्ट की फिल्म डार्लिंग्स की हर तरफ चर्चा हो रही है। अपनी दमदार एक्टिंग और खूबसूरती से से लोगों के दिल जीतने वाली आलिया इस फिल्म से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म का पहला रिव्यू समने आ गया है। करण जौहर ने इस फिल्म पर अपना पहला रिव्यू साझा किया है। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म को स्टार भी दिए साथ ही आलिया और पूरी टीम की जमकर तारीफ भी की है। बॉलीवुड के फेम डायरेक्टर करण जौहर ने आलिया भट्ट की डार्लिंग फिल्म देखने के बाद फिल्म की जमकर तारीफ की है। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर डार्लिंग का पोस्टर शेयर किया और फिल्म की प्रोड्यूसर आलिया के इस फैसले को ब्रेव बताया है। वहीं प्रोजेक्ट को मंजूरी देने के लिए करण ने शाहरुख खान और गौरी खान को थैंक्यू कहा और दोनों की तारीफ भी की। करण जौहर ने फिल्म की कास्ट आलिया भट्ट, शेफाली शाह, विजय वर्मा, रोशन मैथ्यू के की तारीफ की। उनके काम की तारीफ करते हुए केजो ने कहा कि सभी ने फैंटास्टिक काम किया है। करण का कहना है कि एक फिल्म में इतने शानदार एक्टर्स की कास्टिंग को उन्होंने लंबे समय बाद देखा है। करण ने अपनी बेबी गर्ल आलिया को डार्लिंग जैसी फिल्म से प्रोड्यूसर के तौर पर अपनी जर्नी शुरू करने के लिए गुड विशेश भी दीं। वहीं फिल्म की डायरेक्टर जसमीत रीन के काम को भी सराहा। जसमीत का भी ये डेब्यू प्रोजेक्ट है। फिल्म की स्टोरी की बात करें तो डार्लिंग्स एक डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। फिल्म मां-बेटी रिश्ते को और जिंदगी को अलग तरीके से दिखाया गया है, जो मुंबई में अपनी जगह बनाने के लिए जद्दोजहद करती हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड माफिया पर भड़कीं तनुश्री बोलीं- मैं नहीं करूंगी सुसाइड

तनुश्री दत्ता पिछले कुछ समय से अपनी पर्सनल जिंदगी के कारण काफी सुर्खियों में हैं। अब एक बार फिर से एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिसके कारण वह चर्चा में आ गई हैं। इस बार तनुश्री ने अपना दर्द पूरी दुनिया के सामने बयां किया है। एक्ट्रेस ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि कई लोग उन्हें टारगेट कर रहे हैं और वह हैरेस हो रही हैं। तनुश्री ने मदद की गुहार लगाते हुए इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि बॉलीवुड माफिया ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तनुश्री ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे हैरेस किया जा रहा है और बुरी तरह से टारगेट भी। कृपया कोई कुछ करो। सबसे पहले तो पिछले एक साल में मेरे बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स को बर्बाद कर दिया गया। इसके बाद एक मेड प्लांट हुई, जो मेरे पानी में दवाइयां और स्टेरॉयड मिला रही थी। इस कारण मुझे गंभीर हेल्थ इश्यू हो गए। तनुश्री ने आगे लिखा, मई में उज्जैन चली गई, लेकिन उस समय मेरी कार के ब्रेक के साथ 2 बार छेड़छाड़ की गई और मेरा एक्सीडेंट हो गया। मैं मरते-मरते बची और 40 दिनों बाद फिर से मुंबई लौट आई ताकि मैं दोबारा अपनी सामान्य जिंदगी शुरू कर सकूं। अब मेरी बिल्डिंग में मेरे फ्लैट के बाहर अजीब चीजें रखी जा रही हैं। तनुश्री ने लिखा, मैं निश्चित रूप से सुसाइड तो नहीं करूंगी, ये कान खोलकर सुन लो सब लोग। ना ही मैं छोड़ रही हूं और ना कहीं जा रही हूं। मैं यहीं रहूंगी, मैं अपने पब्लिक करियर को पहले से ज्यादा ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए यहां हूं। एक्ट्रेस इसी पोस्ट में आगे लिखा, बॉलीवुड माफिया, महाराष्ट्र के पुराने राजनीतिक सर्किट (जिनका आज भी प्रभाव है) और राष्ट्रविरोधी आपराधिक तत्व ही लोगों को परेशान करते हैं।

हिना के ग्लैमरस लुक ने बढ़ाई दिलों की धड़कनें

बॉलीवुड | मसाला

हिना खान आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। उन्हें कम समय में ही घर-घर में एक खास पहचान हासिल हो चुकी थी। आज एक्ट्रेस के चाहने वाले दुनियाभर में मौजूद हैं, जो उनके हर रूप-रंग और अंदाज को बेहद पसंद करते हैं। एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए जुड़ी रहती हैं। अक्सर उनका सिजलिंग लुक वायरल होता रहता है। अब फिर हिना ग्रीन आउटफिट में कहर ढा रही हैं। हिना खान की एक्टिंग का जादू को पहले ही लोगों के सिर पर चढ़ा हुआ है। वहीं, उनकी अदाओं पर भी लोग मर मिटे हैं। इसी बीच अब हिना ने फैंस के साथ अपना नया फोटोशूट शेयर किया है। लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस को प्रिंटेड स्किन फिट पैंट और ग्रीन कलर का डिजाइनर टॉप पहने देखा जा रहा है। एक्ट्रेस ने इसके साथ ट्रांसपेरेंट हाई हील्ट कैरी की है। हिना ने अपने इस लुको न्यूज मेकअप से कंप्लीट किया है। उन्होंने यहां अपने बालों की पॉनीटेल बनाई है और कानों में मेटल के छोटे-छोटे ईयररिंग्स पहने हैं। हिना ने अपने इस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक सिजलिंग पोज दिए हैं। अब फैंस के बीच उनका ये लुक तेजी से वायरल होने लगा है। हिना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो इन दिनों वह अपनी हिंदी-इंग्लिश फिल्म कंट्री ऑफ ब्लाइंड को लेकर चर्चा में हैं।

ये था दुनिया का सबसे भ्रष्ट अधिकारी, घर में छिपा रखा था 2.62 लाख करोड़ रुपये कैश और 13 टन सोना

हमारे देश में ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों पर लोग भ्रष्ट होने का आरोप लगाते हैं, जो बिना पैसे लिए कोई भी काम नहीं करते। जो आपसे कुछ न कुछ रुपये जरूर लेंगे और उसके बाद ही काम करेंगे। जिससे ऐसे भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी जल्द ही मालामाल हो जाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे भ्रष्ट अधिकारी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने इतना पैसा कमाया जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। हालांकि ये मामला हमारे देश का न होकर अपने पड़ोसी देश चीन का है। जहां एक भ्रष्ट अधिकारी ने इतना पैसा कमाया कि उसने अपने घर के तहखाने में 2 लाख 62 हजार करोड़ रुपये कैश इकट्ठा कर लिया। यही नहीं इस अधिकारी ने तहखाने में 13 टन सोना भी छिपा कर रखा था। जब मामले की जांच हुई तो इतनी पैसा और सोना देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, चीन में कुछ साल पहले एक पूर्व सरकारी अधिकारी के घर पर छापा मारा गया था, तो इस छापेमारी के दौरान उसके घर के बेसमेंट में जो निकला, उसे देखकर चीन की सरकार की भी आंखें खुली की खुली रह गई। यहां जिस अधिकारी के घर से इतनी अकूत संपति निकली उनका नाम झांग है। वह हाइकू सिटी के पूर्व मेयर रह चुके हैं। उनके घर से छापेमारी के दौरान 13 टन सोना और दो लाख 62 हजार करोड़ कैश मिला था। उस दौरान सोने की कीमत 26 अरब से भी ज्यादा बताई गई थी। अधिकारी के घर से इतनी बड़ी संपति मिलने के बाद कहा गया था कि वह चीन के सबसे अमीर आदमी जैक मा से भी ज्यादा पैसे वाले हैं। पूर्व अधिकारी के घर से इतनी ज्यादा अकूत संपति निकलने के बाद उन पर आर्थिक अपराध का मुकदमा चलाया गया था। सर्च टीम को कहीं से सूचना मिली थी कि अधिकारी के घर में अवैध पैसे रखे हुए हैं। जब सर्च टीम उनके घर पहुंची तो उन्हें कुछ खास नहीं मिला था, लेकिन टीम जब बेसमेंट में गई तो उसके होश ही उड़ गए थे। बेसमेंट का नजारा देखकर सर्च टीम के अधिकारी भी हैरान रह गए थे। इतनी ज्यादा रकम मिलने के बाद नेशनल सुपरविजरी कमीशन को अधिकारी से पूछताछ करने आना पड़ा था। उस अधिकारी के बेसमेंट का एक वीडियो सामने आया था।

अजब-गजब | इस चमत्कार से वैज्ञानिक भी रह गए हैरान!

माता के इस प्राचीन मंदिर में मूर्तियां करती हैं आधी रात को चमत्कार

भारत में अनेक चमत्कारिक मंदिर हैं, जो आम लोगों के लिए ही नहीं बल्कि वैज्ञानिकों के लिए भी हैरान कर देने वाले हैं। वैज्ञानिक भी इनके रहस्य आज तक नहीं सुलझा पाए हैं। भारत में कई रहस्यमयी मंदिर हैं और इनके रहस्य आज तक नहीं सुलझ पाए हैं। माता का एक ऐसा ही रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर है, जो विज्ञान और वैज्ञानिकों के लिए भी आश्चर्य बना हुआ है। यह रहस्यमयी मंदिर बिहार में है। यहां मूर्तियां आधी रात को चमत्कार करती हैं।

यह मंदिर बिहार के बक्सर जिले में है। इस मंदिर का नाम राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर की मूर्तियां आपस में बात करती हैं। जब वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च की तो उन्होंने भी इस बात से इंकार नहीं किया। बताया जाता है कि यह रहस्यमयी मंदिर 400 वर्ष पुराना है। इस मंदिर की स्थापना प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने किया था। बताया जाता है कि इस प्राचीन मंदिर में माता की प्राण प्रतिष्ठा तंत्र साधना से ही गई थी। इसी वजह से इस मंदिर के प्रति तांत्रिकों की अटूट आस्था है।

इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। आधी रात को जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगढ़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च किया कि क्या वाकई यहां मूर्तियां बोलती हैं। रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने भी माना कि यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम रिसर्च के लिए गई थी। वैज्ञानिकों को भी वहां विचित्र आवाजें सुनाई दीं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे यहां पर आवाज आती है।

प्रदेश की जनता को लूट रहे मंत्री और अधिकारी : अखिलेश यादव

» घोटालों में नए-नए कीर्तिमान बना रही सरकार

» भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की खुली पोल

» नियुक्तियों और तबादलों में मची है लूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' का दावा करने वाली भाजपा सरकार की पोल खुल गई है। मंत्रियों-अधिकारियों के बीच बंदरबांट के लिए खींचतान चल रही है और आरोप-प्रत्यारोप भी लगाए जा रहे हैं। सरकार के मंत्री, अधिकारी मिलकर जनता को लूट रहे हैं। सरकारी विभागों में तबादलों और नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर लूट मची है। सरकार के भ्रष्टाचार की चर्चा हर जुबान पर है। यह सब सिर्फ 100 दिन की उपलब्धि है। आगे-आगे देखिए होता है क्या?

लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और जल शक्ति विभाग सहित अन्य विभागों में भी तबादलों का धंधा भाजपा में एक बड़ा उद्योग बन गया है। जांच की आंच बड़े-बड़े लोगों तक पहुंचने पर भाजपा सरकार लीपापोती करने में लग गई है। खुद भाजपा सरकार के एक मंत्री ने तबादलों में वसूली और भ्रष्टाचार को सार्वजनिक रूप से उजागर करते हुए इस्तीफा दिया। स्वास्थ्य विभाग में भी तबादलों के धंधे के साथ करोड़ों की दवाओं में हेराफेरी के मामले सामने आए हैं। विभाग में मंत्री और विभागीय प्रमुख के बीच खींचतान के चलते अव्यवस्था व्याप्त है। पशुपालन विभाग में करोड़ों की दवाएं एवं उपकरण खरीद के नए घोटाले के मामले भी सामने आए हैं। आवास विकास परिषद और शिक्षा विभाग में भी धांधलियां उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार घोटालों के नए-नए कीर्तिमान बनाने में अव्वल साबित हुई है। होम्योपैथिक विभाग में छात्रवृत्ति गबन, दारोगा भर्ती में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं ने भाजपा सरकार की छवि दागदार बना दी है। बड़े ओहदों पर बैठे अफसर घोटालों की जांच में कम उन्हें रफा-दफा करने में ज्यादा रुचि ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में नालियों और नलकूपों की मरम्मत के नाम पर लाखों की हेराफेरी हो गयी। बस्ती में सड़क निर्माण में करीब 44 करोड़ रूपये के घोटाले का मामला सामने आया है। आगरा में प्रशासन ने कागजों पर सड़क बना दी, मौके पर सिर्फ गड्ढे हैं। इन घोटालों में पूरी सरकार शामिल है। भाजपा ने प्रदेश को कुशासन के दल-दल में धकेल दिया है।

सीबीएसई 12वीं के नतीजे घोषित, 92.71 फीसदी उत्तीर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सीनियर सेकेंड्री (कक्षा 12) की बोर्ड परीक्षा के नतीजों की घोषणा कर दी है। बोर्ड द्वारा सीबीएसई 12वीं रिजल्ट 2022 की घोषणा के अंतर्गत परिणाम देखने के लिए तीन लिंक रिजल्ट पोर्टल पर एक्टिव किए गए।

ऐसे में जो छात्र-छात्राएं सीबीएसई द्वारा इस साल दो चरणों में आयोजित की गई बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित हुए थे, वे रिजल्ट पोर्टल cbseresults.nic.in पर दिए गए लिंक या नीचे दिए गए लिंक परिणाम और स्कोर कार्ड देख सकते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा सीनियर सेकेंड्री रिजल्ट 2022 को लेकर जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस साल की 12वीं की परीक्षाओं में 92.71 फीसदी छात्र-छात्राओं को उत्तीर्ण घोषित किया गया है जबकि पिछले वर्ष 99.37 फीसदी स्टूडेंट्स सफल घोषित किए गए। हालांकि, पिछले साल परिणाम वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति से घोषित हुए थे।

कई अफसर अंदर से साइकिल हाथी और पंजे वाले : निषाद

» कुछ तबादलों को किया निरस्त, शिकायत पर हो रही जांच और कार्रवाई

» दलितों और पिछड़ों की चिंता करती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अधिकारियों की कार्यशैली पर जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक द्वारा गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद योगी सरकार के मत्स्य विकास मंत्री डा. संजय निषाद ने भी इशारों में अफसरों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि सरकार में अभी भी कुछ अधिकारी ऐसे हैं, जो अंदर से हाथी, साइकिल और पंजे वाले जबकि ऊपर से कमल वाले हैं।

मत्स्य विकास मंत्री डा. संजय निषाद ने कहा कि ऐसे अफसरों की संख्या लगभग हर विभाग में दो-चार ही होगी लेकिन एक मछली पूरे तालाब को गंदा करती है। ऐसे अधिकारियों

को चिन्हित कर उनपर कार्रवाई हो भी रही है और होनी भी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों की शिकायत करने पर तुरंत जांच और कार्रवाई होती है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके विभाग में अभी इस तरह की कोई समस्या नहीं है। समन्वय के साथ विभाग में अच्छा काम हो रहा है। डा. संजय निषाद ने अपने विभाग के कुछ तबादलों को निरस्त करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की दिक्कतों को लेकर ट्रांसफर निरस्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार दलितों और पिछड़ों को लेकर चिंता करती है इसलिए दलित और आदिवासी हमारे राष्ट्रपति बनते हैं।

जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है भाजपा सरकार : रावत

सहारनपुर। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ईडी व सीबीआई के समन देने पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत गुरुवार को सहारनपुर रुके थे। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपया आए दिन कमजोर हो रहा है। महंगाई ने सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए हैं। शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार जनहित के इन मुद्दों और अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने के लिए सोनिया गांधी व राहुल गांधी को परेशान कर रही है।

द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में क्रॉस वोटिंग राजस्थान से असम तक विपक्ष में टूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को बड़ी जीत हासिल हुई है। मुर्मू के समर्थन में राजस्थान से लेकर असम तक क्रॉस वोटिंग हुई। 17 सांसदों और 126 विधायकों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया।

सबसे ज्यादा असम में 22 विधायकों ने पार्टी लाइन से अलग हटकर द्रौपदी मुर्मू को वोट दिया। मध्य प्रदेश में 19, महाराष्ट्र में 16, उत्तर प्रदेश में 12 ऐसे विधायकों ने द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया है, जिनकी पार्टी ने यशवंत सिन्हा के समर्थन का ऐलान किया था। गुजरात में 10 कांग्रेस विधायकों ने पार्टी से अलग जाकर द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया। यह कांग्रेस के लिए चुनाव से कुछ महीने पहले बड़ा झटका है। इसके अलावा झारखंड में भले ही झामुमो ने समर्थन का ऐलान कर दिया था लेकिन कांग्रेस और अन्य दलों के 10 विधायकों ने

» ममता बनर्जी भी नहीं संभाल पाईं कुनबा

क्रॉस वोटिंग भी की है। बिहार में 6 और कांग्रेस शासित राज्य छत्तीसगढ़ में भी 6 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया है। राजस्थान में 5, गोवा में 4 कांग्रेसी विधायकों ने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन कर दिया। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के एक विधायक ने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया है। 4 टीएमसी विधायकों ने अपना वोट इनवैलिड करा दिया।

यूपी में मंत्रियों के असंतोष के पीछे बड़ा खेल!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्रियों की नाराजगी से उसके लिए असहज करने वाली परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। स्वास्थ्य विभाग में तबादलों को लेकर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की नाराजगी और मंत्री जितिन प्रसाद के लोक निर्माण विभाग में पांच वरिष्ठ अधिकारियों के निलंबन के बाद जलशक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटिक ने दलित होने के कारण अधिकारियों द्वारा अपनी अनदेखी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की पेशकश की है? ऐसे में सवाल उठता हैं कि क्या उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के असंतोष के पीछे बड़ा खेल हो रहा है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार, सैयद कासिम, रंजीव और अभिषेक कुमार ने लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा, पिछली बार 200 विधायक धरने पर बैठ गए थे। उसके बाद भी योगी ने अपना कार्यकाल बेहतर तरीके से चलाया। एके शर्मा को मंत्री तक नहीं बनाया। यूपी के अलावा तमाम राज्यों में देखा गया कि ताकतवर लोगों के किस तरह उच्च नेतृत्व ने पर कतरे। येदिरुप्पा को बाहर जाना पड़ा। योगी के साथ बड़ी चीज ये हैं कि उनके साथ न तो परिवार है, न वे भ्रष्टाचारी है तो उनकी ही चलेगी। जितिन के ओएसडी के रूप में उनको एक बड़ा शिकार मिला। अब जांच रिपोर्ट आएगी, फिर योगी एक्शन जरूर लेंगे। रंजीव ने कहा, रामप्रकाश गुप्ता मुख्यमंत्री थे, बाहर से सपोर्ट लेना पड़ा। अक्सर ऐसा होता था कि खबर आती थी कि राज्यमंत्री नाराज हैं। राज्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री में सामान्य तौर पर कभी पटी ही नहीं। अभी वैसे ही हालात हैं। राज्यमंत्री अधिकार चाहते हैं और कैबिनेट मंत्री अधिकार देना नहीं चाहते। फिलहाल कल से आज तक भाजपा ने जो फायर फाइटिंग हैं, उसे कही हद तक मैनेज कर लिया है। शीर्ष नेतृत्व की इस पर सीधी नजर है। योगी भी लगातार एक्टिव है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अशोक कुमार ने कहा, तबादलों में खेल तो हुआ है, अब जांच जारी है, रिपोर्ट ही उगलेगी सच क्या है। विधायक अधिकारी के पास टहल रहे हैं मगर वे उनकी सुन नहीं रहे, ऐसे में विधायक को जनता को जवाब देना भारी पड़ता है। कानपुर में निषाद की जमीन पर कब्जा हो जाता, बावजूद पुलिस उनकी नहीं सुनती जबकि संजय निषाद के फोन करने के बाद भी उसकी समस्या नहीं हल होती। ये माहौल चुनाव से पहले भी बना मगर 24 के चुनाव के लिए मामला दबाया गया, संभाला गया।

मुर्मू को वोट देने का मिला इनाम राजभर को मिली वाई श्रेणी सुरक्षा

अखिलेश से चल रहे नाराज, राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा गठबंधन के सहयोगी पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर को योगी सरकार ने वाई कैटेगरी की सिक्योरिटी दी है। इस बाबत शासन ने लेटर जारी कर दिया है। अखिलेश से नाराज चल रहे राजभर ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए कैंडिडेट द्रौपदी मुर्मू को वोट किया था। सियासी गलियारे में चर्चा है कि वोटिंग करने का उन्हें इनाम मिला है। ओमप्रकाश राजभर गाजीपुर में जहूराबाद सीट से विधायक हैं। 2022 में उन्होंने अखिलेश यादव की पार्टी से गठबंधन किया था। अखिलेश ने उनकी पार्टी सुभासपा यानी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को 17 सीटें दी थीं। 6 सीटों पर जीत मिली थी।

जहूराबाद विधायक एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को शासन के निर्देश पर वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म हो चुका है। आमजनों में भी चर्चा है कि सरकार द्वारा राजभर का ख्याल करना कहीं न कहीं आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर नया संकेत है। सुभासपा ने विधानसभा चुनाव में सपा से गठबंधन किया था। इस दौरान सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने प्रदेश एवं केंद्र सरकार के खिलाफ जहां जमकर हमला बोला था। वहीं चुनाव में जहूराबाद सीट से भारी अंतरों से जीत दर्जकर विरोधियों को पटखनी दी थी और राजभर समाज के सफल नेतृत्वकर्ता के रूप में खुद को साबित किया था।

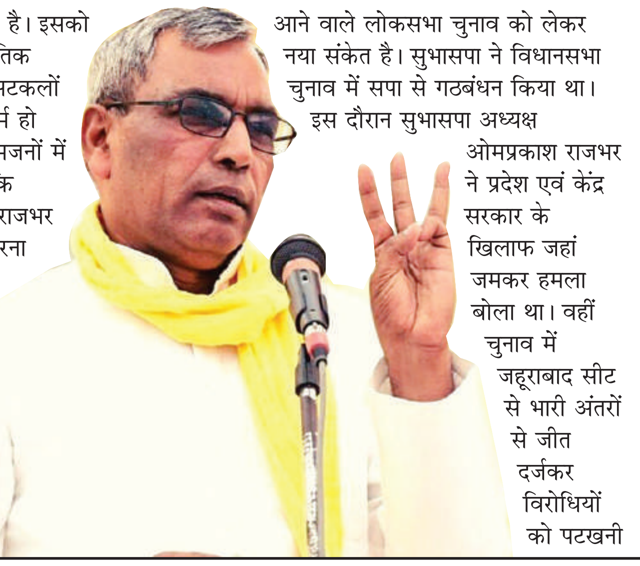

सपा के खिलाफ मुखर हैं राजभर

आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनाव में सपा को मिली करारी हार के बाद से ही वह सपा के खिलाफ मुखर हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को नसीहत देने के साथ ही राष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्ष के प्रत्याशी को समर्थन न देकर एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में खड़े रहे। इधर शासन के निर्देश पर गाजीपुर पुलिस ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है।

नीति आयोग के इंडेक्स में यूपी 7वें स्थान पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नीति आयोग के तीसरे नवाचार सूचकांक यानी इनोवेश इंडेक्स में उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है और दो पायदान ऊपर चढ़कर अब सातवें स्थान पर पहुंच गया है। नीति आयोग के तीसरे नवाचार सूचकांक में 17 प्रमुख राज्यों की श्रेणी में कर्नाटक टॉप स्थान पर रहा जबकि तेलंगाना दूसरे और हरियाणा तीसरे स्थान पर हैं।

नीति आयोग के 'भारत नवाचार सूचकांक, 2021' में राज्यों के स्तर पर नवाचार क्षमताओं और परिवेश की पड़ताल की गई है। उत्तर प्रदेश ने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवां स्थान हासिल किया है। 17 प्रमुख राज्यों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को सातवें स्थान पर रखा गया है। उत्तर प्रदेश का 2020 में इस सूची में नौवां स्थान था। भारत नवाचार सूचकांक के तीसरे संस्करण को नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी परमेश्वरन अय्यर की उपस्थिति में दिल्ली में जारी किया।

अमित मोहन की मुश्किलें बढ़ी, 28 तक देना है जवाब

» लोकायुक्त ने 28 जुलाई तक मांगा स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर विवाद और कई आरोपों से घिरे अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद की मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं। अमित मोहन प्रसाद को लोकायुक्त संगठन की तरफ से एक नोटिस भेज कर 28 जुलाई तक जवाब मांगा गया है। लखनऊ निवासी राजेश खन्ना की तरफ से अमित के खिलाफ लोकायुक्त से शिकायत की गई है।

उत्तर प्रदेश लोकायुक्त कार्यालय के सचिव अनिल कुमार सिंह ने अमित मोहन प्रसाद को पत्र भेजकर राजेश खन्ना के परिवाद पर उनका जवाब मांगा गया है। यूपी मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन की खरीद में हुए भ्रष्टाचार को लेकर लोकायुक्त के यहां शिकायत हुई थी, जिसको लेकर राजेश खन्ना की शिकायत पर 28 जुलाई तक स्पष्टीकरण देने व पेश होकर शिकायत के बारे में जानकारी मांगी गई है। कोरोना काल के दौरान घटिया पीपीई किट की सप्लाई के साथ मेडिकल उपकरण द्वारा दवा खरीद के मामले में राजेश खन्ना द्वारा लोकायुक्त से शिकायतकी थी। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर विवाद को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित की गई थी।

फैक्ट चेकर और समाज में नफरत फैलाने वालों के बीच समझना होगा अंतर : अनुराग ठाकुर

» देशहित के खिलाफ काम करने वाले यूट्यूब चैनल्स के खिलाफ की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि फैक्ट चेकर और समाज के बीच तनाव पैदा करने वालों के बीच अंतर समझना होगा। अनुराग संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में आरजेडी के सांसद मनोज झा के एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

मनोज झा ने कहा था कि जिन लोगों के भाषणों के चलते समाज में वैमनस्यता फैलती है, उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जाता है, लेकिन फैक्ट चेकर्स के खिलाफ

कार्रवाई हो जाती है, जैसा हमने पिछले दिनों देखा है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा फैक्ट चेकर और किसी ऐसे व्यक्ति के बीच अंतर जानना जरूरी है जो फैक्ट चेक के पीछे रहकर समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। अगर कोई उनके खिलाफ शिकायत करता है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यह भी जानना जरुरी है कौन फैक्ट चेकर है और कौन फेक्ट चेक के पीछे रहकर समाज में तनाव खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। उन पर कोई शिकायत करता है तो कानून के हिसाब से उसपर कार्यवाही होती है। अनुराग ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रालय ने 2021-22 में देश हित के खिलाफ काम करने वाले यूट्यूब चैनलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ने 94 यूट्यूब चैनल, 19 सोशल मीडिया अकाउंट और 747 यूआरएल (वेबसाइट) के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें ब्लाक कर दिया है। ये कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत की गई है।

लुलु मॉल के बाद प्रयागराज जंक्शन पर नमाज, जांच शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लुलु मॉल के बाद अब प्रयागराज जंक्शन पर भी नमाज पढ़ने का मामला सामने आया है। यहां प्लेटफार्म नंबर एक पर बने वेटिंग रूम में नमाज हुई है। उस वक्त जीआरपी-आरपीएफ के जवान भी वहीं मौजूद थे, लेकिन किसी ने रोका नहीं। प्रयागराज पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है।

गुरुवार रात प्रयागराज के जीआरपी-आरपीएफ को बचपन बचाओ संस्था ने मानव तस्करी की जानकारी दी। महानंद एक्सप्रेस से बच्चों को दिल्ली ले जाने का मैसेज था। प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन आने के बाद 15 बच्चों समेत 31 लोगों को ट्रेन से नीचे उतारा गया। पूछताछ के लिए इनको वेटिंग रूम में ले जाया गया। पूछताछ के बाद इसी वेटिंग रूम में नमाज की जाने लगी। एक मदरसे के मौलवी अब्दुल रब ने करीब 15 मिनट तक नमाज पढ़ाया। यहां कुछ यात्री भी मौजूद थे, जिन्होंने इसका वीडियो बना लिया। वहीं इससे पहले 12 जुलाई को लुलु मॉल के तीसरे फ्लोर पर नमाज पढ़ने का वीडियो सामने आया था। जांच में इनकी पहचान हुई। पकड़े गए लोगों की पहचान मोहम्मद रेहान, आतिफ खान, मोहम्मद लुकमान और मोहम्मद नोमान के रूप में हुई है।

एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही बीजेपी : रॉबर्ट वाड्रा

» ईडी के द्वारा विपक्षी नेताओं को किया जा रहा परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी नेशनल हेराल्ड केस की पूछताछ के लिए ईडी के दफ्तर पहुंच गई हैं। ईडी अधिकारियों द्वारा पूछताछ दो घंटे से जारी है। इस मामले में कहा जा रहा है कि अधिग्रहण के जरिए नेशनल हेराल्ड की 800 करोड़ रुपए की संपत्ति को कब्जे में ले लिया गया। इसके सन्दर्भ में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि देश में लोग बहुत तकलीफ में हैं, बीजेपी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है।

प्रियंका भी दवाएं लेकर साथ गई हैं। प्रियंका गांधी ईडी के दफ्तर में सोनिया गांधी के खराब स्वास्थ्य और दवा की वजह से गई हैं और दूसरे कमरे में मौजूद हैं। सोनिया गांधी दवाइयों एवं अन्य जरूरतों के लिए उनसे

मुलाकात कर सकती हैं। यही नहीं, सोनिया गांधी के स्वास्थ्य को देखते हुए यदि उन्हें आराम की जरूरत होगी तो उसके लिए भी मौका दिया जाएगा। सोनिया गांधी अभी हाल ही में संक्रमित हो गई थीं और कुछ दिन पहले ही उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। सोनिया गांधी से पूछताछ की कमान ईडी में अडिशनल डायरेक्टर के पद पर तैनात महिला अफसर को सौंपी गई है। ईडी से पूछताछ मामले में रॉबर्ट ने कहा की देश के लोग बहुत तकलीफ में हैं, लोगों की आवाज दबाने के लिए एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।